OM - 19- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 12/10/2021 11:46 AM Page 12

भारत नेपाल सीमा पर नये सेवाकेन्द्र का भव्य उद्घाटन

भारत नेपाल सीमा-रक्सौल(बिहार)। नगर के शिवपुरी नागा रोड में ब्रह्माकुमारीज़ के नवनिर्मित सुख शांति भवन के उद्घाटन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ नेपाल की निर्देशिका राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी ने कहा कि परमात्मा की जो प्लानिंग चल रही है, उसके अनुसार नई सतयुगी दुनिया अब बिल्कुल ही निकट है। ईश्वरीय कार्य दिनोंदिन तेज़ हो रहा है और इस अति महत्वपूर्ण भारत नेपाल सीमा पर बने इस भवन से ईश्वरीय सेवाओं में काफी तेज़ी आएगी। दीदी ने कहा कि परमात्मा से दूरी होने के कारण आत्मा की शक्ति कमज़ोर होती गई, इससे ही दु:ख और

अशांति दिनोंदिन बढ़ रही है। वर्तमान समय पुरुषोत्तम संगम युग में परमात्मा भारत की भूमि पर अवतरित होकर नई दुनिया का निर्माण कार्य कर रहे हैं। सभी के लिए अभी अवसर है, हम उनसे सम्बंध जोड़कर ज्ञान और गुणों से अपनी झोली भर सकते हैं और जीवन को सुखमय बना सकते हैं। भारतीय महावाणिज्य दूतावास के अधिकारी तरुण कुमार ने संस्था के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज जहां नैतिक मूल्यों में तेज़ी से ह्रास हो रहा है, रिश्ते तार-तार हो रहे हैं, ऐसे दौर में ब्रह्माकुमारी संस्था जोड़ने का कार्य कर रही है। इस संस्था का सबसे महत्वपूर्ण कार्य लोगों में आत्म बल भरना है। काठमांडू से आये वरिष्ठ ब्र.कु. राम सिंह ने संस्था के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर ब्र.कु. रबिना दीदी,बीरगंज, ब्र.कु. किरण दीदी, ब्र.कु. दीपा दीदी, ब्र.कु. गीता दीदी,विराटनगर, ब्र.कु. जगदीश भाई,जनकपुर, ब्र.कु. गुणराज भाई आदि ने भी अपने विचार रखे। मौके पर बड़ी संख्या में मौजूद नगर के लोगों को सात दिवसीय नि:शुल्क कोर्स करने के लिए आमंत्रित किया गया।

सम्बोधन में कहा...

ईश्वरीय सेवाओं में वृद्धि का माध्यम बनेगा यह सेवाकेन्द्र : राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी

लोगों में आत्म बल भरना इस संस्थान का सबसे महत्वपूर्ण कार्य : तरुण कुमार

जेल को बंदीगृह नहीं बल्कि सुधार गृह समझें

छतरपुर-म.प्र.। व्यक्ति की पहचान उसके कर्मों से होती है, इसलिए हम श्रेष्ठ कार्य करने की स्वयं से प्रतिज्ञा करें और अपने जीवन को परिवर्तन करने का लक्ष्य रखें। इसे बंदीगृह नहीं बल्कि सुधार गृह समझें। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ किशोर सागर स्थित सेवाकेन्द्र द्वारा जिला जेल में कैदी भाई-बहनों के 'जीवन उत्थान' के लिए आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रमा बहन ने व्यक्त किये। ब्र.कु. सुमन बहन ने व्यसन से मुक्ति के तरीके बताते हुए कहा कि नशा ही हमें गलत कार्यों की तरफ ले जाता है। इसलिए कोई भी नशा नहीं करना है। ब्र.कु. कल्पना बहन द्वारा विभिन्न प्रकार की शिक्षाप्रद एक्टिविटी कराई गई। इस मौके पर 450 कैदी भाई-बहनों सहित जेलर रामशिरोमणि पाण्डे, जेल स्टाफ, ब्र.कु. मोहिनी, ब्र.कु. अर्चना एवं खेल विभाग के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर धीरज चौबे उपस्थित रहे।

हरपालपुर में... पत्रकार स्नेह मिलन समारोह

मीडिया- श्रेष्ठ समाज के नव निर्माण का आधार

हरपालपुर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेन्द्र द्वारा मीडिया वर्ग के लिए आयोजित स्नेह मिलन समारोह में नगर के सभी सम्माननीय पत्रकार बंधुओं को सम्बोधित करते हुए नौगांव सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. नन्दा बहन ने संस्थान का विस्तार से परिचय दिया और बताया कि ब्रह्माकुमारी संस्थान का मुख्य उद्देश्य मानवीय जीवन में नैतिक मूल्यों का समावेश करना है। हरपालपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आशा बहन ने तिलक लगाकर सभी का स्वागत किया एवं सभी को राजयोग का अभ्यास कराया। ब्र.कु. पूनम,हरपालपुर ने कहा कि मीडिया कर्मियों में ईमानदारी, सदाचार, मानवता, सत्यता जैसे गुणों की आवश्यकता है। दैनिक भास्कर से पत्रकार संजय तिवारी ने कहा कि संस्था इतना अच्छा समाज के लिए कार्य कर रही है, हम हमेशा संस्था के सहयोगी

रहेंगे। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से दिनेश दीक्षित ने कहा कि यहाँ आकर हमें एक नया मार्गदर्शन मिला। शुभ भारत से पत्रकार संजीव शुक्ला ने कहा कि दिन की शुरुआत भगवान की याद से करें तो निश्चित है कि हम सफलता प्राप्त करेंगे। छतरपुर भ्रमण से पत्रकार कुलदीप वर्मा, नई दुनिया से पत्रकार पुष्पेन्द्र पायक, ब्यूरो चीफ न्यूज़ लाइव 100, सत्ता सुधार, अनादि टी वी से पत्रकार डी.के. कुशवाहा, दैनिक जागरण से दीपू सोनी, ब्यूरो चीफ दैनिक अमर स्तंभ से शिवम सोनी, चैनल डीएनएन म.प्र., छत्तीसगढ़, उ.प्र. से महेन्द्र विश्वकर्मा, पत्रकार शिवम साहू, पत्रकार रिंकू तथा अन्य पत्रकारों सहित वरिष्ठ डॉ. कलाम अंसारी, वृहत सहकारी समिति अध्यक्ष बलवान सिंह बुन्देला उपस्थित रहे।

भावनात्मक-मानसिक सकारात्मकता भी ज़रूरी

अम्बिकापुर-चोपड़ापारा(छ.ग.)। सड़क दुर्घटना पीड़ितों की स्मृति में विश्व यादगार दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित मेडिटेशन कार्यक्रम में एडिशनल एस.पी. विवेक शुक्ला ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन यातायात के नियमों के प्रति बहुत ही कड़े नियम लागू करेगी जिसे सभी को पालन करना आवश्यक है जिससे असावधानियों और दुर्घटनाओं से बचा जा सके। सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या दीदी ने कहा कि केवल शारीरिक सुरक्षा का ज्ञान होना पर्याप्त नहीं, लेकिन भावनात्मक और मानसिक रूप से भी सकारात्मक होना ज़रूरी है तभी हम सुरक्षित रह सकते हैं। आध्यात्मिकता हमें जीवन जीने की कला सिखाती है और सुरक्षा हमें जीवन जीने का ढंग सिखाती है। उन्होंने सड़क दुर्घटना में मृतकों एवं पीड़ितों तथा उनके परिवार जनों को राजयोग मेडिटेशन कॉमेन्ट्री के माध्यम से शांति का दान दिया। महेन्द्र शोरूम के संचालक रविन्द्र तिवारी ने कहा कि विश्व कल्याण और मानव सेवा के लिए समर्पित ब्रह्माकुमारी संस्था विभिन्न कार्यों के लिए पूरे विश्व भर में जानी जाती है। उन्होंने कहा कि यातायात से सम्बंधित शिक्षा

अनिवार्य रूप से स्कूलों एवं कॉलेजों के विद्यार्थियों को देनी चाहिए। आर्ट ऑफ लिविंग के संचालक अजय तिवारी ने कहा कि सड़क दुर्घटना जैसी विकट परिस्थिति को ध्यान और जागरुकता के माध्यम से रोक सकते हैं। इसके लिए सभी को स्वतंत्र नहीं बल्कि स्वाधीन होना पड़ेगा। यातायात अधिकारी वेदांती बहन ने यातायात नियमों एवं संकेतों की जानकारी दी। कार्यक्रम संचालन ब्र.कु.प्रतिमा बहन ने किया।

नैतिकता से सुखद व सुरक्षित होगी यात्रा

रतलाम-डोंगरे नगर(म.प्र.)। वर्तमान समय अच्छी सड़कें, अच्छे वाहन होने के बाद भी रोड एक्सीडेंट दिनों दिन बढ़ रहे हैं। इन दुर्घटनाओं का 90प्रतिशत कारण मानवीय भूल एवं 10 प्रतिशत अन्य कारण होता है। सबसे बड़ी भूल सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरुक न होना है।

उक्त विचार विश्व यादगार दिवस पर सड़क दुर्घटना पीड़ितों को मानसिक संबल देने हेतु आयोजित 'सुखद एवं सुरक्षित यात्रा' कार्यक्रम में दो बत्ती स्टेशन रोड थाना प्रभारी किशोर पाटनवाला ने व्यक्त किये। सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी ने कहा कि यदि मानव का अपने मन पर नियंत्रण नहीं तो गाड़ी की स्टेरिंग पर भी नियंत्रण होना असंभव है। हम जिस प्रकार अपनी सुरक्षा के लिए नियमों का पालन करते हुए रोड पर चलते हैं, उसी प्रकार जीवन यात्रा में नैतिक मूल्यों को साथ लेकर चलें तो जीवन यात्रा भी आसान हो जाएगी। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट,म.प्र.,आर.टी.ओ. एंड ट्रैफिक चेयरमैन प्रदीप छिपानी ने कहा कि जागरुकता और नियम पालन कर दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. आरती दीदी ने कहा कि मन के अनावश्यक बोझ, तनाव, चिंता सब परमात्मा को सौंप दें, उन्हें अपना साथी बना लें, शांत मन से वाहन चलाएं तो यात्रा सुखद एवं आसान होगी। ब्र.कु. संगीता दीदी ने राजयोग मेडिटेशन द्वारा दुर्घटना पीड़ितों को शांति के वायब्रेशन दिये। ब्र.कु. निरुपमा दीदी ने ट्रैफिक नियमों का पालन करने की प्रतिज्ञा कराई तथा कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. साक्षी दीदी ने किया।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th Dec, 2021
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक एवं सम्पादक - गंगाधर नरसिंघानी, मुद्रक - श्री मुकेश मंगल, डी.बी. कॉर्प.लि. द्वारा भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News - www.omshantimedia.org